प्रतिवेदन सत्र 2017–18

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2017–18 में कुल 113 स्वयं सेवकों का पंजीयन किया। जिसमें 51 छात्र व 62 छात्राएं पंजीकृत हुए। प्रतिवर्श की भांति भी इस वर्ष भी छात्राओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रही। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून को योगदिवस के साथ इकाई ने अपना कार्य प्रांरभ किया। साथ हि वर्षभर कलैण्डर अनुसार प्रस्तावित कार्यो का क्रियान्वयन इस इकाई के द्वारा किया गया। इस वर्ष स्वयं सेवकों ने नवाचार के तहत हेल्प डेस्क का निर्माण किया। हेल्प डेस्क का संचालन नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सहायता व मार्गदर्शन के लिए किया गया। जिसमें उन्हें फार्म भरने व प्रवेश प्रक्रिया से उन्हे अवगत कराया गया। नये पंजीकृत स्वयं सेवकों के उन्मुखीकरण हेतु भूतपूर्व स्वयं सेवकों का व्याख्यान आयोजित किया गया। स्वयं सेवकों ने वर्षभर भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छता हि सेवा के उद्देश्य से जुड़कर वर्षभर स्वच्छता से संबंधित कार्य किये जिसमें महाविद्यालय की साफ–सफाई, गमलों में पौधारोपण, डस्टबिन का निर्माण, रैली व विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलवाने जैसे कार्य किया। जिससे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पूर्ण करने का प्रयास किया गया। इसके अलावा एन.एस.एस. स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देशी खेल प्रतियोगिता व छत्तीसगढ़ मुहावरों व लोकोक्ति प्रतियोगिता का आयोजन स्वयं सेवकों के लिए किया। स्थापना दिवस में अतिथि के रूप में डॉ.टी.एस.सोनवानी, जिला संगठक गरियाबंद को आमंत्रित किया गया।

एन.एस.एस. स्थापना दिवस में डॉ.टी.एस.सोनवानी, जिला संगठक गरियाबंद का व्यख्यान

महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिये सिकलसेल परीक्षण शिविर का अयोजन रायपुर मेडिकल कॉलेज के सहयोग से किया गया। जिसमें लगभग 337 विद्यार्थियों का परीक्षण किया गया। इसी तारतम्य में विद्यार्थियों ने झिझक दूर करने व व्यक्तित्व का विकास

के लिए इंटरव्यु फेसिंग स्कील ट्रेनिग का आयोजन ट्रेनर श्री हरीश सादिजा, रायपुर के सहयोग से 03 दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम संचालित किया गया। इसके अलावा स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास हेतु समय समय पर अतिथियों को आमंत्रित कर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस वर्ष युवा दिवस (12जनवरी) के उपलक्ष्य में बुक बैंक योजना की शुरूआत की गई जिसमें विद्यार्थियों ने अपने उपयोग की गई पुस्तकों को इसमें दान किया। वही प्राध्यापकों ने भी अपने पुस्तकें दान कर इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

''स्वच्छता हि सेवा'' के उद्देश्य को लेकर इस वर्ष का सात दिवसीय विशेश शिविर का आयोजन ग्राम बहेरापाल में 11–17 नवम्बर को किया। जिसमें परियोजना कार्य के अंतर्गत नाली निर्माण व चबुतरा निर्माण कार्य में श्रमदान किया गया। साथ ही विद्यालय प्रांगण, तालाब, नलकूपों, चौक चौराहे की भी साफ सफाई स्वयं सेवकों के द्वारा की गई वही पशु टीकाकरण, शिशु स्वास्थ्य परीक्षण, वृक्षारोपण आदि कार्य भी किये गये। स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास हेतु योग प्रशिक्षण, परेड प्रशिक्षण, सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण, रेशम उत्पादन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

सात दिवसीय ि ाविर ग्राम बेहरापाल में स्वयं सेवको द्वारा नाली निर्माण

बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत विभिन्न विभागों से विषय विशेषज्ञों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। जिसमें श्री हरीश सादिजा, प्रशिक्षक आर्ट आफ लिविग, पशु चिकित्सा अधिकारी श्री के.के.पटेल, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. व्ही.एन.हिरौन्दिया, श्री हेम चंद्राकर, कनिष्ठ रेशम निरीक्षक , श्री प्रदीप शर्मा कृषि अधिकारी, डॉ. मालती तिवारी कार्यक्रम अधिकारी व राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त आदि अतिथियों ने अपने ज्ञान से स्वयंसेवकों को लाभान्वित किया।

बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत विभिन्न विभागों से विषय विशेषज्ञ

एक दिवा शिविर का आयोजन ग्राम–पीपरछेड़ी में 25 जनवरी को किया गया। जिसमें 49 स्वयंसेवक शामिल हुए। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग राजिम के सहयोग से रक्त शर्करा परीक्षण व रक्त समूह परीक्षण का आयोजन ग्रामवासियों के लिये किया गया जिसमें लगभग 150 ग्रामवासी लाभान्वित हुए। इसके अलावा ग्रामवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

इस वर्ष गोदग्राम नवाडीह में स्वच्छता अभियान चलाया गया व साथ हि मतदाता जागरूकता, स्वच्छता रैली व नशा मुक्ति रैल का आयोजन कर ग्रामवासी में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

इस सत्र में निखिल कुमार यादव बी.ए.भाग–2 ने महाविद्यालय को गौरान्वित किया जिनका चयन 22वां युवा महोत्सव के लिये हुआ। जिसका आयोजन 10–17 जनवरी को गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश में हुआ।